भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं. ***93** जिसका उत्तर
शुक्रवार, 5 दिसंबर, 2025/14 अग्रहायण, 1947 (शक) को दिया जाना है

एनटीपीसी रामागुंडम के लिए गोदावरी जलमार्ग कनेक्टिविटी

† *93. श्री वामसि कृष्णा गद्दाम :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) तेलंगाना राज्य में स्थित अद्रियाला कोयला खान से गोदावरी नदी में नौवहन का उपयोग करके राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी) रामागुंडम के लिए कोयले की ढुलाई हेतु जलमार्ग कनेक्टिविटी विकसित करने के लिए क्या व्यवहार्यता अध्ययन किए गए हैं;

(ख) ढुलाई की लागत और पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लिए रामागुंडम ताप विद्युत केंद्र को जोड़ने वाले अंतर्देशीय जलमार्ग ढुलाई गलियारों के लिए कौन-कौन सी विकास योजनाएं हैं;

(ग) पेद्दापल्ली जिले में विद्युत उत्पादन अवसंरचना के साथ राष्ट्रीय जलमार्ग-4 के एकीकरण की कार्यनीति क्या है और इस सपंर्क मार्ग को कब तक आरंभ किए जाने की संभावना है;

(घ) कोयला और औद्योगिक कच्चे माल सहित बल्क कार्गो की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए गोदावरी नदी से गाद निकालने (ड्रेजिंग) और अवसंरचना विकास के लिए कितना बजटीय आबंटन किया गया है; और

(ङ) तेलंगाना में ताप विद्युत संयंत्रों के लिए संभार तंत्र लागत को कम करने हेतु जलमार्ग से ढुलाई का उपयोग करने के लिए सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र के विद्युत उपक्रमों के बीच क्या समन्वय ढांचा स्थापित किया गया है?

उत्तर
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) से (ङ): विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

"एनटीपीसी रामागुंडम के लिए गोदावरी जलमार्ग कनेक्टिविटी" के संबंध में श्री वामसि कृष्णा गद्दाम द्वारा पूछे गए दिनांक 05.12.2025 के लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. *93 के उत्तर के भाग (क) से (ङ) में संदर्भित विवरण

(क) और (ख): राष्ट्रीय ताप ऊर्जा निगम (एनटीपीसी) रामागुंडम के पास एक समर्पित मेरी-गो-राउंड रेल (एमजीआर) प्रणाली है जो कोयले की आपूर्ति के लिए विद्युत संयत्र को अद्रियाला कोयला क्षेत्र से जोड़ती है, जबकि अद्रियाला कोयला खानों, से अंतर्देशीय जल परिवहन (आईडब्ल्यूटी) साधन के जरिये कोयले की आवाजाही में अतिरिक्त लोडिंग/अनलाडिंग होगी, जिससे संभार तंत्र की लागत और समय में अतिरिक्त बढ़ोत्तरी होगी जैसा कि नीचे उल्लेख किया गया है:

(i) प्रथम, कोयला खान स्थलों से लगभग 11 किमी की सड़क और परिवहन के लिए लोडिंग और गोदावरी के तट पर अनलोडिंग,

(ii) दूसरा, गोदावरी के किनारे पर लोडिंग और आईडब्ल्यूटी के माध्यम से लगभग 11 किमी तक आवाजाही और गोदावरी के तट पर जलयानों से अनलोडिंग,

(iii) तीसरा, एनटीपीसी संयंत्र के लिए लगभग 2 किमी तक सड़क परिवहन के लिए लोडिंग, और एनटीपीसी रामागुंडम संयंत्र पर अनलोडिंग।

इस प्रकार, सडक और आईडब्ल्यूटी से 24 किमी की कुल दूरी के लिए एनटीपीसी रामागुंडम के लिए आईडब्ल्यूटी संपर्कता खर्चीला है, क्योंकि कोयले के मौजूदा रेल परिवहन जिसमें कोयले की खानों पर एक लोडिंग और एनटीपीसी संयंत्र पर एक अनलोडिंग शामिल है, समर्पित एमजीआर के साथ सीधी संपर्कता है।

(ग): प्रश्न नहीं उठता।

(घ): गोदावरी नदी (रा.ज.-4 का एक घटक) की व्यवहार्यता का अध्ययन किया गया और 3 वीयर, 21 बैराज, 5 बांध और 14 चेक बांध होने और नौचालन लॉक न होने के कारण यह व्यवहार्य नहीं पाया गया।

(ङ): अंतर्देशीय जलमार्गों पर माल की हैंडलिंग और आवाजाही पर फोकस करने के लिए पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त निकाय, भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के अध्यक्ष की अध्यक्षता में एक कार्य बल का गठन किया गया जिसमें विभिन्न हितधारक मंत्रालयों/संगठनों के प्रतिनिधि सदस्य के रूप में शामिल हैं।

*****